MJC-3/MIC-3/MDC-3

DATE 18 02 2026

Socialization : Stages

(3) तादात्मीकरण अवस्था (Identification stage)

जॉन्सन के अनुसार इस अवस्था का आरंभ 3-4 वर्ष की आयु से होता है और यह 12-13 वर्ष की आयु तक होता है। इस स्तर में बच्चा पूरे परिवार से सम्बद्ध हो जाता है। इस समय यद्यपि वह यौनिक व्यवहार से पूर्णतया परिचित नहीं होता लेकिन अव्यक्त रूप से उसके अन्दर यौनभावना विकसित होने लगती है। यहीं से बच्चे से आशा की जाती है कि वह अपने लिंग के अनुरूप आचरण करना शुरू करे और यदि बच्चा इस आशा के अनुरूप व्यवहार करता है तो स्नेह और पुरस्कार के रूप में उसे प्रोत्साहन दिया जाता है। आरंभ में बच्चा अपने लिंग और परिस्थिति से पूर्ण तादात्मीकरण स्थापित नहीं कर पाता क्योंकि उसमें ईर्ष्या/उद्वेग अधिक होता है परन्तु जैसे जैसे वह उन पर नियंत्रण स्थापित करना सीखने लगता है वही समाजीकरण की प्रक्रिया में पूर्णता आती जाती है। बच्चा जब अपने लिंग के प्रति पूर्णतया जागरूक हो जाता है तभी विपरित लिंग के सदस्यों के में उसकी रुचि बढ़ने लगती है।

इस स्तर में समाजीकरण की प्रक्रिया दो रूपों में स्पष्ट होती है — (i) सामाजिक भूमिका से तादात्मीकरण (ii) सामाजिक समूहों से तादात्मीकरण उदाहरण :- माता-पिता, भाई बहन, नातेदारों तथा परिवार के सभी सदस्यों की आशाओं के अनुरूप कार्य करना सामाजिक भूमिका से तादात्मीकरण का उदाहरण है।